www.sgbauonline.com

(8) प्लेटो के कला संबंधी विचार किस ग्रंथ में मिलते हैं ?

(9) अरस्तू किसके शिष्य थे ?

(10) टी. एस. इलियट किस सिध्दांत के लिए पहचाने जाते हैं ?

(11) प्रतिभा काव्य का क्या हैं ?
(हेतु, तत्व, प्रयोजन)

(12) विभाव के कितने भेद हैं ?
(दो, तीन, चार)

(13) यश काव्य का क्या क्या हैं ?
(हेतु, प्रयोजन, कारण)

(14) लक्षक शब्द से किसका बोध होता हैं ?
(अभिधा, व्यंजना, लक्षणा)

(15) गुणों की संख्या के आधारपर आचार्य वामन ने किसे स्वीकार्य बताया हैं ?
(गौड़ी, वैदर्भी, पांचाली)

(16) ध्वनिवादियों ने किसे काव्य का अनिवार्य तत्त्व माना हैं ?
(अभिधेयार्थ, लक्ष्यार्थ, व्यंग्यार्थ)

(17) ध्वनि सिध्दांत के प्रवर्तक कौन हैं ?
(आ. वामन, आ. मम्मट, आ. आनंदवर्धन)

(18) आचार्य क्षेमेंद्र को किस संप्रदाय के प्रवर्तन का श्रेय जाता हैं ?
(रस, औचित्य, ध्वनि)

(19) 'लिरिकल बैलड्स' किसकी रचना हैं ?
(वर्ड्सवर्थ, प्लेटो, अरस्तू)

(20) कलाकार के अंतर्मन की खोज का संबंध किस प्रकार की आलोचना से हैं ?
(व्यक्तिवादी, मनोविश्लेषणवादी, प्रभाववादी) 20

AQ – 183

M. A. (Part – I) Examination

HINDI

Paper – III

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

P. Pages : 4

समय : तीन घंटे] [कुल अंक : 100

---

1. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए :—

(क) रस निष्पत्ति विषयक भारतीय आचार्यो के विचारों की समीक्षा कीजिए।

(ख) अलंकार सिध्दांत का सामान्य परिचय दीजिए।

(ग) ध्वनि सिध्दांत का तात्पर्य समझाते हुए ध्वनि काव्य भेदों को स्पष्ट कीजिए। 15

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए :—

(क) अरस्तू के अनुकरण सिध्दांत को स्पष्ट कीजिए।

(ख) लोंजाइनस के उदात्त सिध्दांत का विवेचन कीजिए।

(ग) मैथ्यू आर्नल्ड के आलोचना विषयक विचारों की समीक्षा कीजिए। 15

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

3. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए :—

(क) उत्तर आधुनिकतावादी विचारों का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) अस्तित्त्ववाद का स्वरूप एवं आधारभूत धारणाओं को स्पष्ट कीजिए।

(ग) ऐतिहासिक और तुलनात्मक आलोचना में अंतर स्पष्ट कीजिए। 15

4. निम्नलिखित पद्यांश अथवा गद्यांश की स्वविवेक से समीक्षा कीजिए :—

हिमाद्रि तुंग श्रृंग से,
प्रबुध्द शुध्द भारती
स्वयंप्रभा समुज्वला
स्वतन्त्रता पुकारती –
अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ – प्रतिज्ञ सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो, बढ़े चलो।

अथवा

आत्मा के सुविस्तृत और असौंदर्यपूर्ण हो जाने पर सुंदर और असुंदर दोनों ही समान प्रिय बन जाते हैं। कोई माता अपने पुत्र को कुरूप नहीं कहती। इसका यही कारण है कि वह अपने पुत्र में अपने आप को ही देखती है। जब हम सारे संसार में अपने ही आपको देखेंगे, तब हमें कुरूप भी रूपवान दिखाई देंगा। 15

5. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर लगभग **15–20** पंक्तियों में दीजिए :—

(1) संस्कृत काव्यशास्त्र के अनुसार काव्य के लक्षण लिखिए।

(2) मम्मट द्वारा प्रतिपादित काव्य – प्रयोजन लिखिए।

(3) रस का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(4) रीति के प्रकार लिखिए।

(5) वक्रोक्ति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(6) प्लेटो के साहित्य विषयक विचार लिखिए।

(7) प्रभाववादी आलोचना के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

(8) विखंडनवाद से क्या तात्पर्य हैं।

(9) अभिजात्यवाद का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(10) निर्वैयक्तिकता सिध्दांत को समझाइए। 20

6. निम्नलिखित अतिलघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशानुसार लिखिए :—

(1) 'वाक्यम् रसात्मक काव्यम्' यह काव्य लक्षण किसने प्रतिपादित किया हैं ?

(2) 'अनुमितिवाद' का संबंध किस विद्वान से हैं ?

(3) 'अभिनवभारती' यह किसकी रचना हैं ?

(4) 'विशिष्टपदरचना रीति' यह उक्ति किसकी हैं ?

(5) आचार्य कुंतक ने वक्रोक्ति के कितने भेद किए हैं ?

(6) औचित्य के कितने प्रकार हैं ?

(7) मधुर प्रेम समन्वित उपदेश किस काव्य प्रयोजन में होता हैं ?

www.sgbauonline.com